॥ श्री महावीराय नम : ॥

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१३ जुलाई २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी ३

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER	
SANGH NAME		SUPARVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१२)**

१. खाईमं .... पायपुच्छणेणं

२. परमत्थ .... वा वि

३. कम्मओणं ....

.... तं जहा

४. देवसियं ....

.... देवसियाए

५. कन्नालिक .... साख

६. दीवोत्ताणं ....

.... वियट्ट

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(७)**

१. सम्माणेमि ....

२. वईक्कंतो ....

३. अणिच्छियव्वो ....

४. दिंतु ....

५. अहो कायं ....

६. दंसणे ....

७. चरित्ताचरित्ते ....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(६)**

१. तीन प्रकार का (त्रण प्रकारना) ....

२. दुष्ट मन से की हुई (दुष्ट मनथी करेली) ....

३. प्रकार के (प्रकारना) ....

४. चिंतन करने के लिए (चिंतन करवा माटे) ....

५. सूर्य से भी (सूर्यथी पण) ....

६. जो बाधा पीडा हुई (बाधा पीडा थई होय तो) ....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(१५)**

(१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(१०)**

१. ...... या ...... का विचार करना अतिक्रम। (...... के ..... नो विचार करवो ते अतिक्रम)

....

२. कषाय का प्रतिक्रमण ...... के ...... गुणस्थान में होता है। (कषायनुं प्रतिक्रमण ...... के ...... गुणस्थाने थाय छे।

....

३. अतिचाररुप .... त्याग से ...... की शुद्धि होती है। (अतिचार रुप ...... त्यागथी ...... नी शुद्धि थाय छे।)

....

४. ...... का एक देश द्वारा भंग होना उसे ...... कहते है। (...... नो एक देशथी भंग थाय तेने ...... कहे छे।)

....

५. ...... या ...... और मोक्ष मार्ग पर चलनेवाने तीर्थयात्री है। (..... के ..... मोक्ष मार्गना पथिक छे।

....

६. ...... या ...... के विषय में शंका करने से संका अतिचार लागे। ....

(...... के ...... ना विषयमां संका करवाथी संका अतिचार लागे।

७. ......, ... और ...... की यथार्थता से साधक की साधना गतिशील होती है।

(......, ... और ...... नी यथार्थताथी साधकनी साधना गतिशील बने छे

....

८. ...... व्यक्तिओं का संग ...... को चलित करता है। (...... व्यक्तिओंनो संग .... ने चलित करे छे।)

....

९. प्रतिक्रमण से ...... जीव ...... प्राप्त करता है। (प्रतिक्रमणथी .... जीव ...... ने प्राप्त करे छे।)

....

१०. मनुष्यों के पास ...... के तीन साधन है। (मनुष्य पासे ...... ना त्रण साधन छे।) ....

(५) अंको में उत्तर दीजिए। (आंकडामां उत्तर लखो।) **(५)**

१) आवर्तन .... २) ज्ञान के अतिचार .... ३) ज्ञान की आराधना ....

४) आवश्यक .... ५) पापसेवन के साधन .... ६) पात्रता संबंधित अतिचार ....

७) दर्शन के पाठ में पोषक तत्त्व .... ८) वर्ष में सांवत्सरिक प्रतिक्रमण ....

९) प्रमाद का प्रतिक्रमण कौन से गुणस्थान में .... १०) वर्ष में चातुर्मासिक प्रतिक्रमण ....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर शब्दो कोष्ठक में दिए गए अंक अनुसार लिखिए।

(नीचेना प्रश्नोना उत्तर कौंसमां आपेला आंकडा प्रमाणे लखो।) **(१०)**

१. जतना के उपकरण (जतनाना उपकरण) (६) ....

....

२. लौकिक पर्व (४) ....

....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक शब्दमां लखो।) **(५)**

१. कंदमूल को कैसा भोजन माना जाता है? (कंदमूळ ए केवो खोराक छे?) ....

२. संपत्ति किसके पास टिकती है? (संपत्ति कोनी पासे टके छे?) ....

३. अंकुरित कठोल में कितने जीव होते है? (कठोळमां अंकुरा फूटे एमां केटला जीव होय छे?) ....

४. सबसे ज्यादा हिंसा किस में होती है? (सौथी वधु हिंसा शेमां थाय छे?) ....

५. सही समय पर सही काम करना वह क्या? (जे समये जे कार्य करवु तेने शुं कहेवाय?) ....

(३) हा या ना लिखो। (हा के नामां जवाब लखो।) **(५)**

१. कर्म सिद्धांत में अटल विश्वास सफलता का द्वार खोलता है। ....

(कर्म सिद्धांतनी अतूट श्रद्धा सफळताना द्वार खोले छे।)

२. आलू प्रत्येक वनस्पति है। (बटेटा प्रत्येक वनस्पति छे।) ....

३. उपकार की अनुभूति से विनय प्रकट होता है। (उपकारनी अनुभूतिथी विनय पगटे छे।) ....

४. महावीर जन्म कल्याणक लौकिक पर्व है । (महावीर जन्म कल्याणक लौकिक पर्व छे।) ....

५. संकल्प से सिद्धि प्राप्त होती है। (संकल्प सिद्धि अपावे छे।) ....

प्र. ३ तत्त्व/संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (तत्त्व/संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(१०)**

१. ज्ञान के प्रागट्य के लिए क्या करना है? (ज्ञान प्रागट्य माटे शुं करवुं जोइए?)

....

२. पुण्य किसके लिये करना चाहिए? (पुण्य शा माटे करवुं जोइए?)

....

३. कर्म किसे कहते है? (कर्म कोने कहेवाय?)

....

४. चंडकौशिक ने क्या सुधार लिया? (चंडकौशिके शुं सुधारी लीधुं?)

....

५. हमारा ज्ञान क्युं प्रक़ट नहीं होता? (आपणुं ज्ञान केम प्रगट थतुं नथी?)

....

६. पाप यानि क्या? (पाप एटले शुं?)

....

७. ज्ञानवृद्धि का पांचवा बोल लिखो। (ज्ञानवृद्धिनो पांचमो बोल लखो।)

....

८. आयुष्य के बंध अनुसार क्या निश्चित्त होता है? तीन शब्दों में लिखो। ....

(आयुष्य बंध अनुसार शुं निश्चित्त थाय छे? त्रण शब्दमां लखो।

९. शाता वेदनीय कर्म किसकी अनुभूति कराता है? दो शब्द में लिखे। ....

(शाता वेदनीय कर्म शेनो अनुभव करावे छे? बे शब्दोमां लखो।)

१०. परमार्थ के कार्य करने से कौन से पुण्य का बंध होता है? एक शब्द में लिखिए। ....

(परमार्थना कार्य करवाथी कया पुण्यनो बंध थाय छे? एक शब्दमां लखो।)

(२) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) **(२)**

१. मेरे कारण नींद आती है। (मारा कारणे ऊंघ आवे छे।) ....

२. मुजे प्राप्त करने पर ही दया का कार्य कर पाएंगे। (मने प्राप्त कर्या पछी ज दया पाळी शकशो) ....

३. मेरे कारण सुंदर रुप मिलता है। (मारा कारणे सुंदर रुप मळे छे।) ....

४. मेरे पास अध्ययन करने से ज्ञान में वृद्धि होती है। (मारी पासे अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे।) ....

(३) निम्नलिखित कर्मबंध का दूसरा मुद्दा लिखो। (नीचेना कर्म केवी रीते बंधाय तेनो बीजो मुद्दो लखो।) **(३)**

१. ज्ञानावरणीय कर्म ....

२. मोहनीय कर्म ....

३. अंतराय कर्म ....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।)

१. ...... की सही समज हमें ...... से मिलती है। ....

(...... नी साची समज आपणने ...... पासेथी मळे छे।)

२. समाचारी .... का बोध कराता है। (समाचारी .... नो बोध करावे छे।)

....

३. जहां ...... प्रसन्न रहता है वहा ...... स्वस्थ रहता है। (...... प्रसन्न त्यां ...... निरोगी होय।)

....

४. ...... के पास सर्वश्रेष्ठ ...... है। (...... नी पासे सर्वश्रेष्ठ ...... छे।) ....

५. धर्म ...... का विषय है, विज्ञान चोक्कस ...... का विषय है। ....

धर्म ...... नो विषय छे, विज्ञान ए चोक्कस ...... नो विषय छे।

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) मुजे पहचानों मैं कौन? (मने ओळखो।) **(८)**

१. मैंने संभूति मुनि के पास दीक्षा ली। (में संभूति मुनि पासे दीक्षा लीधी।) ....

२. मैं कोपगृह में बैठ गई । (हुं कोपगृहमां बेसी गई।) ....

३. मेरे छोटे भाई का नाम वसुदेव था। (मारा नाना भाईनुं नाम वसुदेव हतुं।) ....

४. मेरे वचनों से रथनेमि जागृत हो गया। (मारा वचनोथी रथनेमि जगृत थई गया।) ....

५. मैं कौरवो का बडा भाई हूं । (हुं कौरवोनो मोटो भाई छुं।) ....

६. मैंने १००० राजाओ के साथ दीक्षा ली। (में १००० राजाओ साथे दीक्षा लीधी।) ....

७. मेरे सफेद दांत अनार की कलियों की तरह थे । (मारा दांत दाडमनी कळी जेवा सफेद हता।)

....

८. मेरे प्रभाव से विश्वभूति त्रिपृष्ठ वासुदेव बने । (मारा प्रभावथी विश्वभूति त्रिपृष्ठ वासुदेव बन्या।) ....

(२) कौन किससे कहता है? (कोण बोले छे? कोने कहे छे?) **(२)**

१. आप पूरे शहेर में से एक अच्छा आदमी ढूंढ के लाओ। (तमे आखी नगरीमांथी सारो माणस गोती लावो।)

....

२. मुजे इस भव में दूसरा वर नहीं चाहिए । (आ भवमां मारे बीजो वर न जोईए)

....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर नीचे दी गई कविता पूरी करे। (नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।)

१. कभी (असत्य) ....

....

....

.... कां कां।

२. ठगवा ....

....

....

.... रहुं।

३. रोजे ....

....

.... कहलाय (कहेवाय)।

४. मैं दान ....

....

.... गयुं।

जय जिनेन्द्र

- ❋ PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
- ❋ NEXT CLASS STARTS AUGUST 4TH/5TH MONDAY AND TUESDAY.
- ❋ TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
- ❋ FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.